Publication	The Indian Express	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Gopal Kateshiya
Date	30/12/2023	Page no	5
CCM	27.78		

Shah: Cooperatives should open accounts in cooperative banks

Shah: Cooperatives should open accounts in cooperative banks

GOPAL KATESHIYA
RAJKOT, DECEMBER 29

UNION MINISTER for Home and Cooperation, Amit Shah, Friday urged cooperative institutes to open their bank accounts only with cooperative banks to prevent deposits from the sector flowing to nationalised banks and private commercial banks. This, he said, would enhance the capacity of cooperative banks to meet credit requirements.

Shah said even farmers who are members of primary agriculture cooperative credit societies (PACS) that are, in turn, the members of district cooperative banks, have their savings accounts with public sector banks or private banks, thus depriving cooperative banks of deposits.

"Ultimately, money from the cooperative institutes goes to SBI and private banks. Due to this, cooperative banks do not have enough deposits while the private banks and State Bank of India throw their rule book at us (when we approach them for finance)," he said.

Shah also announced that the Gujarat State Cooperative (GSC) Bank, under an initiative of the Central government, has undertaken a pilot project in Banaskantha and Panchmahal districts to persuade cooperative institutes to have their bank accounts only with cooperative banks.

The pilot project has produced tremendous results, Shah stressed.

The cooperative banks in the districts achieved 82 per cent of their Kisan Credit Card (KCC) target, 100 per cent of the micro ATMs installation target, and 159 per cent of the target set to open new bank accounts.

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/12/2023	Page no	12
CCM	17.65		

Accounts of cooperative institutions should be opened only in co-operative banks: Shah

को-ऑपरेटिव बैंकों में ही खोले जाएं सहकारी संस्थाओं के खाते : शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य के सभी सहकारी प्रतिष्ठानों के खाते को-ऑपरेटिव बैंकों में ही खोले जाने चाहिए। उन्होंने गुजरात सहकारी बैंक से इस प्रकार की प्रणाली विकसित करने का आग्रह किया। शाह ने कहा, जल्द ही नई सहकारिता नीति पूरे देश में लागू हो जाएगी। इसे विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना जैसी योजनाओं के संचालन के लिए लिया जा रहा है। इसके तहत अगले 25 वर्षों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा।

शाह ने शुक्रवार को सुरेंद्रनगर जिला सहकारी बैंक लि. के नवनिर्मित भवन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये लोकार्पण करते हुए कहा, फिलहाल सहकारी समितियां दूसरे बैंकों में खाता खोलती हैं। इसके कारण को-ऑपरेटिव बैंकों के पास जरूरत के वक्त पैसे उपलब्ध नहीं होते। गुजरात सहकारी बैंक ने दो जिलों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए हैं, जिसमें सभी सहकारी समितियों ने को-ऑपरेटिव बैंक में खाते खोले हैं। ब्यूरो

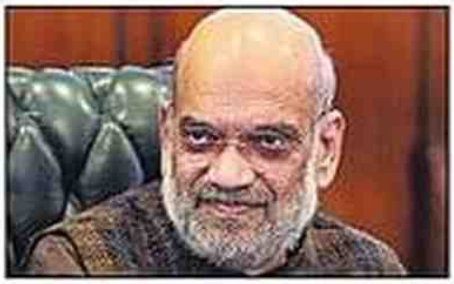

गृह मंत्री ने कहा- जल्द लागू करेंगे नई सहकारी समिति

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/12/2023	Page no	8
CCM	28.11		

'The institution's account should be in co-operative banks'

'सहकारी बैंकों में हो संस्था का खाता'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सहकारी बैंकों में सहकारी समितियों के सदस्यों के खाते खोलने को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने प्रायोगिक आधार पर दो जिलों को लेने का फैसला किया है।

शाह ने गुजरात के सुरेंद्रनगर जिला सहकारी बैंक की एक इमारत का ऑनलाइन उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। आधिकारिक रूप से जारी एक बयान में शाह के हवाले से कहा गया, यह निर्णय लिया गया है कि दो जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया जाना चाहिए और ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए कि प्रत्येक सहकारी संस्था का बैंक खाता सहकारी बैंक में ही हो।

सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने में जुटी : सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों पर केंद्रीय मंत्री ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि सरकार ने प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटी (पैक्स) की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है।

शाह ने कहा, कई वर्षों से पैक्स बंद हो रहे थे और उनकी संख्या घटकर 65 हजार रह गई थी लेकिन अब मोदी सरकार ने इनके अलावा पूरे देश में दो लाख और पैक्स स्थापित करने का फैसला किया है।

शाह ने कहा कि अब तक 20 हजार नए पैक्स स्थापित किए जा चुके हैं और केंद्र उनके कम्प्यूटरीकरण के लिए लगभग 2,500 करोड़ रुपये भी खर्च कर रहा है।

सुरेंद्रनगर जिला सहकारी बैंक को सराहा : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सुरेंद्रनगर जिला सहकारी बैंक की नई इमारत में एक हजार से अधिक लॉकर, उन्नत गोल्डन लॉकर, पूर्ण कम्प्यूटरीकृत कोर बैंकिंग सुविधा और 100 लोगों को समायोजित करने के लिए एक सम्मेलन कक्ष का प्रावधान है।

उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में यह बैंक सुरेंद्रनगर जिले के हर क्षेत्र की सहकारी समितियों के प्रति सभी जिम्मेदारियों को पूरा करेगा। शाह ने कहा कि सुरेंद्रनगर जिला बैंक ने अब तक लगभग 28 हजार किसानों को ऋण दिया, जिनमें 19 हजार छोटे और सीमांत किसान हैं।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD